विद्या सर्वार्थि साधिका

आनंदालय
सामयिक परीक्षा–2
कक्षा : ग्यारहवीं

विषय : हिन्दी(केंद्रिक)
दिनांक : 25/09/2019

अधिकतम अंक :40
निर्धारित समय: 2 घंटे

सामान्य निर्देश –

- ✧ इस प्रश्न पत्र में तीन खंड हैं– क, ख, ग।
- ✧ तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- ✧ यथा संभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खण्ड–क

1. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

हँस लो दो क्षण खुशी मिली गर
वरना जीवन-भर क्रंदन है।
किसका जीवन हँसी-खुशी में
इस दुनिया में रह बीता ?
सदा-सर्वदा संघर्षों को
इस दुनिया में किसने जीता ?
खिलता फूल म्लान हो जाता
हँसता-रोता चमन-चमन है।
कितने राज चमकते तारे
दूर तलक धरती की गाथा
यदि तुमको सामर्थ्य मिला तो
मुसकाओं सबके संग जाकर।
कितने रह-रह गिर जाते हैं,
हँसता शशि भी बुझ जाता है,
जब सावन घन घिर आते हैं।
उगता-ढहता रहता सूरज
जिसका साक्षी नील गगन है।
आसमान को छूने वाली,
वे उँची-उँची मिनारें।
मिट्टी में मिल जाती हैं वे
छिन जाते हैं सभी सहारे।
यदि तुमको मुसकान मिली तो
थामो सबको हाथ बढ़ाकर।
झाँको अपने मन-दर्पण में
प्रतिबिंबित सबका आनन है।

(क) कवि दो क्षण के लिए मिली खुशी पर हँसने के लिए क्यों कह रहा है ? (1)
(ख) कविता में संसार की किस वास्तविकता को प्रस्तुत किया गया है ? (1)
(ग) धरती का कण-कण कौन-सी गाथा सुनाता रहा है ? (1)
(घ) भाव स्पष्ट कीजिए– (2)
झाँको अपने मन-दर्पण में
प्रतिबिंबित सबका आनन है।
(ङ) 'उगता-ढहता रहता सूरज' के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है ? (2)

खण्ड–ख

2. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 250 शब्दों में निबंध लिखिए– (5)

(क) भ्रस्टाचार की समस्या और समाधान
(ख) पुस्तक मेला की उपयोगिता
(ग) जल ही जीवन
(घ) विद्यार्थियों में बढ़ती अनुशासनहीनता और रोकने के उपाय

3. निम्नलिखित में से किंहिं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए– (3)

(क) संचार किसे कहते हैं ? संचार माध्यमों के नामोल्लेख कीजिए।
(ख) स्वतंत्रता पश्चात् भारत के प्रमुख हिंदी समाचार पत्रों के नामोल्लेख कीजिए।

(ग) आकाशवाणी (ऑल इंडिया रेडियो) की स्थापना कब हुई ? इसकी व्यापकता बताइए।

(घ) डायरी लेखन की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।

4. अपने नगर में कल-कारखानों से प्रदूषण में हो रही वृद्धि को राकने हेतु नवभारत टाइम्स समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए। (5)

अथवा

विद्यालय के उप-प्रधानाचार्य महोदय को एक चरित्र-प्रमाण पत्र प्राप्त करने का अनुरोध करते हुए प्रार्थना-पत्र लिखिए।

खण्ड–ग

5. निम्नलिखित काव्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

पिता जी जिनको बुढ़ापा, एक क्षण भी नहीं व्यापा
जो अभी भी दौड़ जाएँ, जो अभी भी खिलखिलाएँ,
मौत के आगे न हिचकें, शेर के आगे न बिचकें
बोल में बादल गरजता, कान में झंझा लरजता,

आज गीता पाठ करके, दंड दो सौ साठ करके
खूब मूगदर हिला लेकर, मूठ उनकी मिला लेकर
जबकि नीचे आए होंगे, नैन जल से छाए होंगे,
हाथ, पानी गिर रहा है, घर नज़र में तिर रहा है,

(क) 'पिता जी को बुढ़ापा क्यों नहीं व्यापा'– सिद्ध कीजिए। (2)

(ख) कवि के पिता साहसी थे– प्रमाणित कीजिए। (2)

(ग) पिता के नयन क्यों भीगे होंगे ? सोदाहरण उत्तर लिखिए। (2)

(घं) कवि की दशा और मनोदशा पर प्रकाश डालिए। (2)

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) लेखिका ने मियाँ नसीरूद्दीन का जो शब्द चित्र खिंचा है उसे सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। (3)

(ख) कोतवाल ने किसान की पुत्रवधू के साथ ऐसा क्या किया होगा कि वह कुएँ में डूब कर मर गई ? (3)

(ग) किसान की स्वाधीनता और स्वाभिमान किस बात पर निर्भर है ? (2)

7. दिनोदिन बढ़ती पानी की समस्या से निपटने में 'राजस्थान की रजत बूँदें' पाठ आपकी कैसे मदद कर सकता है तथा देश के अन्य राज्यों में इसके लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं, आप के विचार से और क्या किया जा सकता है ? तर्क सहित स्पष्ट करें। (4)

अथवा

लेखक ने गोधूलि बेला में कुंई से पानी निकालने का वर्णन कैसे किया है ? सोदाहरण लिखिए।